कोटा से अहमदाबाद ट्रेन के शुभारंभ कार्यक्रम, कोटा जंक्शन में माननीय अध्यक्ष का सम्बोधन

आज कोटा जंक्शन पर कोटा से अहमदाबाद ट्रेन के शुभारंभ कार्यक्रम में आप सबके बीच आकर मुझे बड़ी खुशी हो रही है।

इस ट्रेन के शुभारंभ से कोटा के विकास को नई रफ्तार मिलेगी। कोटा की कनेक्टिविटी का विस्तार होगा। यहाँ व्यापार-रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। इसी के साथ इस ट्रेन के साथ ही यहाँ का पर्यटन भी गतिमान होगा।

कनेक्टिविटी/संपर्क/जुड़ाव किसी भी क्षेत्र के विकास का सबसे अहम पहलू होता है। और फिर चाहे रोड कनेक्टिविटी की बात हो या रेलवे की; आज कोटा देश के सभी प्रमुख शहरों से जुड़ा हुआ है।

इसीलिए कोटा देश में अपनी अलग पहचान रखता है। कोटा एजुकेशन सिटी के रूप में तो जाना जाता ही है, इसी के साथ हाड़ौती का यह अंचल अपनी प्राकृतिक सुंदरता, दर्शनीय स्थलों, अपने व्यापार, कृषि, और काम-कारोबार के लिए भी जाना जाता है।

आज इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के साथ ही कोटा से अहमदाबाद के लिए नया रूट ओपन हुआ है। अभी भी 14 ट्रेनें कोटा से अहमदाबाद तक जाती हैं। लेकिन बूंदी और उदयपुर के रास्ते अहमदाबाद तक जाने वाली यह पहली ट्रेन होगी। यह नई ट्रेन कोटा से अहमदाबाद के असारवा स्टेशन तक जाएगी।

इसके माध्यम से कोटा अब बूंदी, उदयपुर और डूंगरपुर के रास्ते अहमदाबाद से जुड़ जाएगा। सप्ताह में दो दिन मंगलवार और शुक्रवार शाम के समय यह ट्रेन यहाँ कोटा से रवाना होगी और सुबह जल्दी असारवा रेलवे स्टेशन पहुँच जाएगी।

कोटा से अहमदाबाद के बीच में बूंदी, मांडलगढ़, कपासन, मावली जंक्शन, उदयपुर सिटी, लसाडिया जैसे प्रमुख स्टेशनों पर भी ये ट्रेन रुकेगी।

बूंदी से असारवा जाने वाली अभी एक ही ट्रेन कोटा-असारवा एक्सप्रेस है। अब इस दूसरी ट्रेन के होने से बूंदी के लोगों के लिए बहुत सुविधा बढ़ेगी। उन्हें अहमदाबाद जाने के लिए कोटा जंक्शन नहीं आना पड़ेगा, बल्कि अपने घर के पास से ही स्टेशन से ट्रेन ले सकेंगे।

गुजरात का अहमदाबाद देश का प्रमुख औद्योगिक नगर है। गुजरात आज देश के सबसे विकसित प्रदेशों में से एक है। हमारा कोटा भी देश में एजुकेशन सिटी के नाम से जाना जाता है। आईआईटी और मेडिकल एन्ट्रेंस की तैयारी कर रहे गुजरात के हजारों स्टूडेंट्स यहाँ कोटा में पढ़ाई करते हैं। इस ट्रेन के शुरू होने से उन स्टूडेंट्स को और उनके परिजनों को कोटा से अहमदाबाद जाने - आने में सुविधा होगी।

कोटा भी एक समय में औद्योगिक नगर के रूप में जाना जाता था। आज भी यहाँ के कोटा स्टोन और कोटा-डोरिया की साड़ियों की मांग देशभर में है। कोटा के मेहनती लोगों, नई सोच के युवाओं, यहाँ MSME उद्योग के कारण आज कोटा में उद्योग-व्यापार बहुत तेजी से बढ़ रहा है।

बूंदी भी आज अपने उन्नत क्वालिटी के चावल और सैन्ड स्टोन के उद्योग के लिए जाना जाता है। कोटा-बूंदी को जोड़ते हुए अहमदाबाद जाने वाली इस ट्रेन से हमारे स्थानीय, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग को बढ़ावा मिलेगा। स्थानीय स्तर पर यहाँ व्यापार से लेकर रोजगार तक की संभावनाएं बढ़ेगी।

पिछले कुछ वर्षों की बात करूँ तो कोटा की रेल और रोड कनेक्टिविटी में बहुत विस्तार हुआ है। कोटा में नए रेलवे स्टेशन सोगरिया की लाइन भी अब डबल हो चुकी है और उसका विद्युतीकरण भी हो चुका है।

सोगरिया से दिल्ली के लिए भी ट्रेन की शुरुआत हुई है। इससे कोटा से देश की राजधानी दिल्ली में जाने वाले लोगों को अधिक सुविधा मिली है।

सोगरिया से ट्रेन के जरिए कोटा की बिहार, उड़ीसा जैसे भारत के पूर्वी राज्यों से कनेक्टिविटी पर भी विचार किया जा रहा है।

मित्रों, जिस तरह हमने मेमू ट्रेन की यहाँ कोटा में शुरुआत की थी, देशभर में मेमू ट्रेन की मांग बढ़ रही है। Memu racs की डिमान्ड बढ़ी है। जैसे ही कोटा को नए memu racks मिलते हैं, यहाँ नई memu ट्रेन भी चलाई जाएगी।

इसके लिए हम कोटा – गंगापुर सिटी, कोटा-बूंदी, कोटा – सवाई माधोपुर, कोटा – चित्तोडगढ़ रूट पर memu ट्रेन चलाने की योजना पर विचार कर रहे हैं।

Memu ट्रेन से आसपास के लोगों को बहुत फायदा हुआ है। यहाँ के लोकल लोग जो रोज़ आना जाना करते हैं। बिजनेस के लिए नौकरी के लिए या किसी काम से आस पास के छोटे स्टेशनों पर जाने वाले लोगों को इससे बड़ी सहूलियत/सुविधा हुई है।

कोटा में सड़क कनेक्टिविटी को देखें तो आज भारतमाला परियोजना से देश भर में बाधा रहित हाइवे का निर्माण हुआ है। आज कोटा से जयपुर जाना हो या दिल्ली जाना हो, सीधे-सपाट और कई लेन वाले नेशनल हाइवे तैयार हुए हैं।

जयपुर और दौसा के बीच का दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस वे प्रोजेक्ट चालू हो चुका है। और कोटा में भारतमाला के इस प्रोजेक्ट की सितंबर में शुरुआत हो सकती है।

इस प्रोजेक्ट के पूरा होने पर यानि आज से साल भर बाद कोटा से दिल्ली का सड़क रास्ता महज साढ़े 4 घंटे में, कोटा से मुंबई की दूरी 8 घंटे में, कोटा से सूरत की दूरी 4 घंटे में और कोटा से इंदौर का रास्ता 3 घंटे में पूरा किया जा सकेगा।

शिवपुरी से कोटा के बीच अटल प्रोग्रेस हाइवे का काम भी शुरू होने को है। इसकी डीपीआर चालू हो गई है। कोटा से शिवपुरी के रास्ते कानपुर के लिए यह नया रास्ता शुरू होने के बाद कोटा के लिए प्रगति का नया रास्ता खुल जाएगा।

रोड और रेल कनेक्टिविटी पर हमारे यहाँ पिछले कुछ वर्षों में बेहतरीन काम हुए हैं। जल्द ही कोटा में हवाई संपर्क की भी शुरुआत होगी। कोटा में एयरपोर्ट का निर्माण मेरा

सपना है। एयरपोर्ट के लिए काम तेजी से चल रहा है। संभव है कि जल्द ही कोटा में एयरपोर्ट का शिलान्यास हो जाएगा।

पर्यटन के लिहाज से भी देखें तो आज देश और दुनिया के अनर्क पर्यटक हाड़ौती में आते हैं। कोटा आते हैं, यहाँ माँ चम्बल के दर्शन करते हैं, गरडिया महादेव का मंदिर, किशोर सागर तालाब देखने आते हैं। यहाँ के प्रसिद्ध मंदिर, पार्क और हरे भरे शहर को देखने आते हैं।

इसी तरह उदयपुर दुनिया का प्रसिद्ध पर्यटन स्थल है। यह ट्रेन इन पर्यटन स्थलों को जोड़ने का काम करेगी। इससे यहाँ पर्यटन का विस्तार होगा।

यहाँ स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाओं में बढ़ोतरी होगी। नए नए अवसर यहाँ बनेंगे। कोटा और अहमदाबाद व्यापार केंद्र होने के कारण कोटा में बिजनेस टूरिज़म का भी विकास होगा।

एक जनप्रतिनिधि की भूमिका में मेरे कोटा-बूंदी वासियों के लिए अच्छे से अच्छा क्या हो सकता है, मैं हमेशा ही इसी दृष्टिकोण को ध्यान में रखता हूँ।

किस तरह हाड़ौती अंचल में विकास एक दिशा से ना होकर, सभी दिशाओं से विकास हो, किस तरह छोटे रेलवे स्टेशनों पर भी यात्रियों के लिए अनेक प्रकार की सुविधाओं का विस्तार हो, इन पर मेरा विशेष फोकस रहता है।

कोटा-बूंदी के आप सब लोग मेरे लिए मेरे परिवार की तरह हैं। और मेरे इस परिवार के सदस्य की एक-एक जरूरत का ध्यान रखना, आपके लिए सुविधाओं का विकास करना मैं अपनी ज़िम्मेदारी समझता हूँ।

दिल्ली में चाहे कितनी ही व्यस्तता क्यों न हो! जब क्षेत्र के लिए किसी योजना या यहाँ पर उन्नति की बात आती है, मैं पूरे मन से कोटा-बूंदी क्षेत्र के विकास के लिए प्रयास करता हूँ।

पहले कोटा में एक प्रमुख रेलवे स्टेशन 'कोटा जंक्शन' ही होता था, जहाँ ट्रेन रुकती थी। अब हम देख रहे हैं कि धीरे-धीरे रेलवे स्टेशन भी नए बन रहे हैं। सोगरिया का रेलवे स्टेशन अभी डेढ़ साल पहले शुरू किया गया है।

इन सभी स्टेशनों पर बेहतर सुविधाएं होंगी, तो दूसरे राज्यों से आने वाली अधिक से अधिक ट्रेन यहाँ ठहरने लगेगी। इससे आस-पास बसावट तो होगी ही, और साथ में तेजी से विकास भी होगा।

कोटा में शिक्षा, स्वास्थ्य, व्यापार, सड़क, परिवहन रेलवे के विकास के लिए मैं पूरी तरह प्रतिबद्ध हूँ। मेरा सपना है कि आज देश और दुनिया के बड़े से बड़े शहर में जो सुविधा मिलती हो, वो सुविधा कोटा में भी मिल सके।

यहाँ का इन्फ्रास्ट्रक्चर सबसे बेस्ट हो, ताकि सभी लोग इस शहर में रहने के लिए आना चाहें। उत्तम कोटि की सभी चीजें यहाँ उपलब्ध हों।

यहाँ बड़े उच्च शिक्षण संस्थान हो, यहाँ की स्वास्थ्य सेवाएं बहुत उन्नत और आधुनिक हो, कोटा में एयरपोर्ट का जल्द निर्माण हो, ऐसे कई काम है; जिनके लिए मैं लगातार प्रयास कर रहा हूँ।

मुझे पूरा यकीन है कि हमारे सबके प्रयासों से कोटा की समृद्धि दिन दोगुनी-रात चौगुनी की रफ्तार से बढ़ती रहेगी। आप सबका साथ और आशीर्वाद मुझे मिलता रहे। आप सभी को नमस्कार करता हूँ। बहुत बहुत धन्यवाद।

———